समस्या | पंजीयन के लिए घंटों कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार करने मजबूर अन्नदाता

सर्वर की सुस्ती से किसानों की बढ़ी मुसीबत

शहपुरा नवभारत 10 मार्च। शहपुरा क्षेत्र में इन दिनों किसानों को पंजीयन कराने के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहपुरा सोसायटी केंद्र क्रमांक-1 में पिछले एक सप्ताह से सर्वर बेहद धीमी गति से चल रहा है, जिसके कारण पंजीयन का कार्य लगभग ठप हो गया है। किसान सुबह से शाम तक केंद्र पर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आ रहे हैं, लेकिन कई किसानों का पंजीयन नहीं हो पा रहा है।

कंप्यूटर ऑपरेटर बसंत झारिया ने बताया कि सर्वर स्लो होने की शिकायत जिला उपार्जन ग्रुप में भी की गई है, लेकिन समस्या अभी तक जस की तस बनी हुई है। जनपद सदस्य हरि सिंह अरमो ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और कहा कि पंजीयन की अंतिम तिथि नजदीक होने के बावजूद सैकड़ों किसानों के फॉर्म लंबित हैं।

पंजीयन की तिथि बढ़ाने की मांग

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिला पदाधिकारी क्रोधन लाल झारिया ने प्रशासन से मांग की है कि किसानों की समस्या को देखते हुए पंजीयन की तिथि बढ़ाई जाए और सर्वर व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए, ताकि अन्नदाताओं को राहत मिल सके।

तीन साल से मां-बेटा कर रहे मुआवजे का इंतजार

नेशनल हाईवे में गई जमीन की राशि नहीं मिलने पर मां-बेटे पहुंचे जनसुनवाई में

शहपुरा नवभारत 10 मार्च। नेशनल हाईवे (जबलपुर-अमरकंटक) निर्माण के लिए अधिग्रहीत की गई भूमि का मुआवजा तीन वर्ष बाद भी नहीं मिलने से परेशान मां-बेटे ने जनसुनवाई में पहुंचकर एसडीएम शहपुरा के समक्ष अपनी व्यथा रखी। उन्होंने आवेदन सौंपकर शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग की है।

आवेदन में उल्लेख किया गया है कि आवेदक एवं अन्य सहखातेदार—अर्जुन लाल, दशरथ, रामरतन तथा कला बाई के नाम पर दर्ज भूमि खसरा नंबर 38/1 शामिल सरीक है। उक्त भूमि में से 0.07 हेक्टेयर रकबा नेशनल हाईवे रोड (जबलपुर-अमरकंटक) निर्माण के लिए अधिग्रहित कर लिया गया, जिसका नवीन खसरा नंबर 38/1/2 रकबा 0.07 हेक्टेयर दर्ज है। शेष भूमि खसरा नंबर 38/1/1 रकबा 0.493 हेक्टेयर अभी भी आवेदक एवं अन्य सहखातेदारों के नाम पर दर्ज है।

कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाए

आवेदकों का कहना है कि अधिग्रहण की संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण कर संबंधित दस्तावेज कार्यालय में जमा कर दिए गए हैं, इसके बावजूद आज दिनांक तक मुआवजा राशि का भुगतान नहीं किया गया। उनका आरोप है कि कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। मां-बेटे ने बताया कि मुआवजा न मिलने से वे आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। लगातार कार्यालयों के चक्कर लगाने से शारीरिक और मानसिक परेशानी भी बढ़ती जा रही है।

शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने की मांग

उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में एसडीएम ने आवेदन स्वीकार करते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अब पीड़ित परिवार को उम्मीद है कि लंबे इंतजार के बाद उन्हें न्याय मिलेगा और मुआवजा राशि शीघ्र प्रदान की जाएगी।

धूल हटाने, ऑक्सीजन लेवल ठीक करने लगाए गए 3 वाटर मिस्ट टॉवर

नवभारत,जबलपुर। शहर के व्यस्ततम चौराहों से धूल मिटाने और ऑक्सीजन लेवल ठीक करने के उद्देश्य से नगर निगम ने 3 प्रमुख चौराहों में तीन वाटर मिस्ट टॉवर लगा दिए हैं। ये वाटर मिस्ट टॉवर नगर निगम की वर्कशॉप में बनाए गए फिर उसके बाद उसे चौराहों में स्थापित किया गया।

नगर निगम वर्कशॉप के कार्यपालन यंत्री जीएस मरावी ने नवभारत को बताया कि अभी तक तीन पत्ती चौक, मालवीय चौक, कलेक्ट्रेट चौक में वाटर मिस्ट टॉवर लगा दिए गए हैं, इनमें से तीन पत्ती चौक का वाटर मिस्ट टॉवर चालू कर दिया गया है जबकि मालवीय चौक, कलेक्ट्रेट चौक में लगे वाटर मिस्ट टॉवर को एक से दो दिन में चालू कर दिया जाएगा। श्री मरावी के अनुसार आने वाले दिनों में शहर के अन्य सबसे व्यस्ततम चौराहों में इस टॉवर को स्थापित करने 2 और नए वाटर मिस्ट टॉवर बनाए जाएंगे।

क्या है वाटर मिस्ट टॉवर- यह एक लंबा टावर होता है जिसमें चारों तरफ रिंग लगे हुए होते हैं और इन्हीं रिंग के माध्यम से पानी चारों तरफ फॉग करता है। इसके फॉगिंग से जहां जहां धूल होती है वह हट जाती है। एक वाटर मिस्ट टावर की लागत करीब 20 हजार रुपए है जिसमें एक हजार लीटर की पानी की टंकी कनेक्टेड रहती है।

फिजियोथेरेपिस्ट के सूने घर में चोरी

जबलपुर। गोहलपुर थाना अंतर्गत अमखेरा कुदवरी में फिजियोथेरेपिस्ट के सूने मकान का चोरों ने तोड़कर जेवरात, नगदी पार कर दी । पुलिस के मुताबिक सोमवार दोपहर डॉ. नंदनी सोनी 29 वर्ष निवासी लक्ष्मीनारायण परिसर अमखेरा कुदवारी का फिजियोथेरेपिस्ट है। तीन मार्च को घर में ताला लगाकर परिवार सहित अपने गांव बुढ़ानपुर कोतमा जिला नरसिंहपुर गया था। जब वे वापिस लौटा तो घर का ताला टूटा था। सामान बिखरा पड़ा था । मेन गेट का कुंदा एवं ताला टूटा था कमरे के दरवाजे का कुंदा टूटा हुआ था बेडरूम में रखी आलमारी का ताला एवं लॉकर टूटे हुये लॉकर में रखे सोने चांदी के जेवरात, नगदी 55 हजार गायब थे ।

प्रस्फुटन समितियों को मिला सशक्तिकरण का प्रशिक्षण

ग्राम विकास में निभाएंगी अहम भूमिका

शहपुरा नवभारत 10 मार्च। विकासखंड मेहंदवानी के सेक्टर सारसडोली में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के अंतर्गत प्रस्फुटन समितियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को परिषद की योजनाओं, उद्देश्यों तथा ग्राम विकास में उनकी भूमिका के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि प्रस्फुटन समितियां शासन और समाज के बीच सेतु का कार्य करती हैं। इन समितियों का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का विस्तार करना है। सदस्यों को समझाया गया कि वे अपने-अपने ग्रामों में पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

महत्वपूर्ण विषयों पर भी की गई चर्चा

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, स्वच्छता अभियान, नशामुक्ति, सामाजिक समरसता और शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षण के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि समितियां केवल योजनाओं के प्रचार तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ग्राम स्तर पर नेतृत्व विकसित कर स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु सामूहिक प्रयास करें।

जनभागीदारी के बिना विकास संभव नहीं

प्रशिक्षकों ने उपस्थित सदस्यों को प्रेरित करते हुए कहा कि जनभागीदारी के बिना विकास संभव नहीं है। यदि समितियाँ सक्रिय रूप से कार्य करेंगी तो ग्राम स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों से अपेक्षा की गई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय होकर परिषद की मंशा के अनुरूप कार्य करेंगे तथा ग्राम विकास और सामाजिक जागरूकता को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आशीष दुबे ने रेल मंत्री वैष्णव का जताया आभार

जबलपुर, नवभारत। जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर समूचे जबलपुर संसदीय क्षेत्र की ओर से जबलपुर-गोंदिया ब्रॉडगेज लाईन के दोहरीकरण को स्वीकृति देने के लिये धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया। श्री दुबे ने रेल मंत्री वैष्णव से कहा कि महाकौशल अंचल की बहुप्रतीक्षित आवश्यकता और मांग को स्वीकृति मिलने से महाकौशल क्षेत्र के विकास का नया अध्याय लिखा जाने वाला है। उन्होंने श्री वैष्णव को इस बात के लिये भी धन्यवाद दिया कि दोहरीकरण कार्य के लिये स्वीकृत 5236 करोड़ रूपये परियोजना लागत के अतिरिक्त 450 करोड़ रूपये वन्य जीवों की सुरक्षा और आवागमन के लिये पर्यावरण एवं प्रकृति अनुकूल अंडरपास बनाने के लिये स्वीकृत किये गये हैं जो इस परियोजना की महत्वपूर्ण विशेषता है।

पर्यटन सहित अन्य क्षेत्रों को मिलेगा बढ़ावा

गौरतलब है कि सांसद आशीष दुबे अपने कार्यकाल के प्रारंभ से ही जबलपुर-गोंदिया ब्रॉडगेज रेल मार्ग के दोहरीकरण की बात संबंधित विभिन्न मंचों पर रखते आये हैं जिसका परिणाम है कि पिछले दिनों केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस कार्य को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस मार्ग के दोहरीकरण से जहां एक ओर सुगम, त्वरित और नयनाभिराम अतिरिक्त रेल मार्ग उपलब्ध होगा वहीं क्षेत्र के विकास की गति को भी नया आयाम मिल सकेगा।

इस मार्ग के दोहरीकरण से बड़ी संख्या में यात्री और मालवाहक रेलगाडियों का परिचालन संभव हो सकेगा और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा जबलपुर गोंदिया ब्रॉडगेज मार्ग का दोहरीकरण होने से इस पूरे क्षेत्र में स्थित आर्थिक केंद्रों की क्षमता बढ़ेगी, लॉजिस्टिक लागत कम होने से महत्वपूर्ण राशि की बचत होगी और रेल विभाग की मालवाहक क्षमता भी काफी बढ़ जायेगी। इसका दूसरा लाभ कार्बन उत्सर्जन कम होने के रूप मे सामने आयेगा।

युवकों को घेर मारा चाकू, बाइक में भी की तोड़फोड़

नवभारत, जबलपुर। गोहलपुर थाना अंतर्गत अमखेरा रोड पर पुरानी रंजिश को लेकर दो बदमाशों ने तीन युवकों को घेरकर उन पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात उस वक्त हुई जब युवक अपने दोस्त का जन्मदिन मनाने उसके घर जा रहे थे। हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार कुदवारी निवासी 16 वर्षीय दिव्यांश केवट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने साथी कृष्णा बर्मन और दीपक साहू के साथ दोस्त पंकज का जन्मदिन मनाने अमखेरा रोड स्थित गुप्ता मोहल्ला जा रहा था। जैसे ही वे पंकज के घर के पास पहुँचे, वहां पहले से मौजूद परिचित संजय चौधरी और रंजीत चौधरी ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने पुरानी बुराई को लेकर विवाद कर रुपयों की मांग की। पैसे देने से मना करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान संजय चौधरी ने चाकू निकालकर कृष्णा बर्मन की कमर पर हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। बीच-बचाव के दौरान दीपक साहू भी गिरकर चोटिल हो गया। शोर सुनकर जब पंकज घर से बाहर निकला, तो आरोपी कृष्णा की मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ करते हुए मौके से भाग निकले। घायल कृष्णा को तत्काल विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

दुकान संचालक पर धारदार हथियार से हमला

बेलबाग थाना क्षेत्र में बदमाशों ने युवक के साथ मारपीट करने के बाद धारदार हथियार से हमला कर चोट पहुंचा दी । पुलिस के मुताबिक आशीष सोनी 38 वर्ष निवासी शांतिनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मन्नूलाल अस्पताल में पास की दुकान चलाता है उसकी पत्नी आरती सोनी बेलबाग तिराहा के पास पारो बाई के बाड़ा में रहती है। वे पारो बाई का बाड़ा बेलबाग गया था। पत्नी के साथ घर के अंदर बातचीत कर रहा था तभी पारो बाई के बाड़ा में रहने वाला लक्ष्य सोनी, दीपक एवं सागर घर के अंदर घुस आये और उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो तीनों ने उसके साथ मारपीट की। लक्ष्य ने धारदार हथियार से हमला कर उसे चोट पहुंचा दी।

रोष | मानदेय में वार्षिक वृद्धि रोके जाने व एरियर भुगतान नहीं होने से उपजा आक्रोश

उप मुख्यमंत्री ने जगाई उम्मीद, जूडा की 16 मार्च तक टली हड़ताल

नवभारत,जबलपुर। मानदेय की वार्षिक वृद्धि रोके जाने और एरियर के भुगतान न होने की वजह से जबलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों में सरकार और मेडिकल प्रशासन के खिलाफ आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सोमवार को जूनियर डॉक्टरों ने मेडिकल डीन को पत्र सौंपकर अल्टीमेटम भी दे दिया है कि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं होतीं तो मेडिकल के सभी जूनियर डॉक्टर्स 16 मार्च से हड़ताल पर चले जाएंगे। जूडा के इस अल्टीमेटम ने मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं को खतरे में डाल दिया है जिसको लेकर मेडिकल प्रशासन भी चिंतित हो चुका है।

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन, मप्र के अध्यक्ष डॉ महेंद्र प्रताप व जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन जबलपुर के अध्यक्ष डॉ. शुभांशू शर्मा ने नवभारत को बताया कि उप मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला से मिले आश्वासन के बाद प्रस्तावित हड़ताल को 16 मार्च तक स्थगित कर दिया गया है। क्योंकि उप मुख्यमंत्री ने मानदेय में वार्षिक वृद्धि और लंबित एरियर के भुगतान की मांगों पर 5 से 7 दिन के अंदर ठोस निर्णय सामने लाने की बात कही है। जानकारी के अनुसार सोमवार को मेडिकल के जूनियर डॉक्टरों का समूह उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला से मुलाकात करने उनके पास पहुंचा और उन्होनें मांग की कि जूनियर डॉक्टरों के मानदेय की वार्षिक वृद्धि को शुरू किया जाए और वर्ष 2025 से लेकर अभी तक के बीच का एरियर भुगान उन्हें किया जाए। जिस पर उप मुख्यमंत्री ने जूनियर डॉक्टरों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों का जल्द निराकरण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद जूनियर डॉक्टर वापस मेडिकल अस्पताल आ गए थे। उप मुख्यमंत्री के इस आश्वसन के बाद मप्र के जूनियर डॉक्टरों के साथ जबलपुर के जूनियर डॉक्टरों ने फैसला लिया कि वे अपनी प्रस्तावित हड़ताल 16 मार्च तक स्थगित रखेंगे। यदि 16 मार्च तक उनकी मांगों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया तो जूनियर डॉक्टर्स हड़ताल पर जाने बाध्य रहेंगे।

ये है मामला

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार द्वारा मानदेय में वार्षिक वृद्धि का प्रावधान था जिसे वर्ष 2021 से लेकर 2024 तक लागू किया गया। लेकिन वर्ष 2025 से मानदेय में 3 से 4 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि को प्रशासनिक उदासीनता के चलते रोक दिया गया। इसी को लेकर जूनियर डॉक्टर अब हड़ताल पर जाने की बात कहते नजर आ रहे हैं।

डीन को सौंपा गया चेतावनी पत्र

जूनियर डॉक्टर एसोएिशन जबलपुर के अध्यक्ष डॉ. शुभांशु शर्मा ने नवभारत को बताया कि सोमवार को मेडिकल डीन डॉ. नवनीत सक्सेना को पत्र सौंपा गया है जिसमें उन्हें बताया गया है कि कुछ दिन तक बस मेडिकल के जूनियर डॉक्टर इंतजार करेंगे , अगर इस बीच में उनकी मांगें पूरी हो जातीं हैं तो सब ठीक होगा नहीं तो मेडिकल के सभी जूनियर डॉक्टर्स 16 मार्च से हड़ताल पर चले जाएंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार और मेडिकल प्रशासन की होगी। श्री शर्मा ने यह भी बताया कि लंबित मानदेय की वार्षिक वृद्धि की मांग को लेकर पिछले दो दिन से मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जूनियर डॉक्टर्स विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर काम कर रहे हैं। हालांकि प्रस्तावित हड़ताल में जूनियर डॉक्टर द्वारा ओपीडी और रेगुलर मरीजों की सुविधा को पूरी तरह बंद रखा जाएगा , इस दौरान सिर्फ इमरजेंसी ओपीडी और इमरजेंसी ऑपरेशन सुविधा बस शुरू रहेगी।

कर्मियों को अतिरिक्त काम का मिलेगा ओवरटाइम

जबलपुर, नवभारत। पटरियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले लाखों ट्रैक मेंटेनर्स और इंजीनियरिंग विभाग केकर्मचारियों को अब मानसून और भारी बारिश के दौरान रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) जैसे संवेदनशील स्थानों परआठ घंटे की सामान्य शिफ्ट के बाद 4 घंटे की अतिरिक्त सेवा देने पर समयोपरि भत्ता (ओवरटाइम एलाउंस) काभुगतान किया जाएगा। रेलवे के इस निर्णय से पमरे सहित देश भर के 3 लाख ट्रैक मेंटेनेंर्स व इंजीनियरिंग स्टाफको इसका लाभ मिलेगा।

जयपुर से हुई शुरुआत

मानसून के दौरान कठिन परिस्थितियों में ड्यूटी करने वाले ट्रैक मेंटेनर्स और इंजीनियरिंग स्टाफ इसी वर्ष से इसकालाभ प्राप्त कर सकेंगे। इस ऐतिहासिक फैसले की शुरुआत उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल से हुई है। जिसकेबाद पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर सहित सभी रेल जोनों में इसे क्रियान्वित किया जा रहा है। बता दें कि रेल मंडलो मेंसैकड़ों कर्मचारी केवल आरयूबी और बाढ़ संभावित इलाकों में 24 घंटे

निगरानी के लिए तैनात किए जाते हैं।देशभर के सभी मंडलों को मिलाकर यह संख्या करीब 1.5 लाख से 2 लाख कर्मचारियों तक पहुंच जाती है, जिन्हेंअब शिफ्ट के अतिरिक्त काम करने पर ओवरटाइम मिलेगा।

प्रक्रिया होगी पारदर्शी

रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह भुगतान पूरी तरह से पारदर्शी होगा। प्रत्येक कर्मचारी द्वारा किए गएअतिरिक्त घंटों का रिकार्ड मस्टर रोल में दर्ज किया जाएगा और उसी के आधार पर भत्ते की गणना की जाएगी। यहराशि सीधे कर्मचारियों के वेतन के साथ उनके बैंक खातों में जमा की जाएगी, जिससे बिचौलियों या देरी कीगुंजाइश खत्म हो जाएगी। आंकड़ों के अनुसार भारतीय रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग में वर्तमान में लगभग 3 लाख 20 हजार से अधिक ट्रैकमेंटेनर्स कार्यरत हैं।